हरिभूमि
# महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, अप्रैल 28, 2025

11 शिक्षकों को प्रभावी कक्षा प्रबंधन के गुर समझाए

12 अवैध खनन व खनिज के अवैध परिवहन को लेकर...

Affiliated to CBSE
MR SCHOOL
MITTERPURA | ATELI
॥ तमसो मा ज्योतिर्गमय ॥
A Name of Dedication, Hardwork and Sincerity
कोटा की FACULTY अब MR SCHOOL ATELI में
JEE / NEET COACHING with KOTA Faculty Experts
ADMISSION OPEN
Session 2025-26
अब MR में स्कूल व कोचिंग साथ-साथ
SAMBHAV CLASSES
VI to X Foundation Classes
XI to XII JEE / NEET
Special Coaching for CLAT / NDA CA-CPT OLYMPIAD
MITTERPURA, NARNAUL (HR.)
9466945658, 9416903367
mrps530543@gmail.com www.mrpublicschool.com
NARNAUL ROAD, ATELI MANDI
8278085868, 9416903367
mrpsateli@gmail.com www.mrpsateli.in

## खबर संक्षेप

### गुरु रविदास महासभा की बैठक आयोजित

**नारनौल।** गुरु रविदास महासभा की आम बैठक रविवार को गुरु रविदास आश्रम में हुइ्र। जिसकी अध्यक्षता गुरु रविदास महासभा के प्रधान बलबीर सिंह बबेरवाल ने की। संचालन रमेश पटीकरा ने किया। इस अवसर पर गुरु रविदास महासभा के सदस्यों ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए पर्यटकों की आत्मा के लिए दो मिनट का मोन धारण करके श्रद्धांजलि दी।

### गुजरवास में गोरखनाथ की मूर्ति स्थापना 3 को

**मंडी अटेली।** आगामी तीन मई को अटेली क्षेत्र के गांव गुजरवास में श्री जोतराम धाम में गुरु गोरखनाथ, मां काली, मां शेरावाली, हनुमान जी और बाबा चेतन नाथ की मूर्तियों की स्थापना की जाएगी। इस मौके पर भंडारे और जागरण का भी आयोजन किया जाएगा। बिल्लू भगत गुजरवासिया ने बताया कि मूर्तियों की स्थापना से पहले सुबह गांव में कलश यात्रा निकाली जाएगी और बाबा का भंडारा लगाया जाएगा।

### कुएं से बिजली की केबल व सामान चोरी

**कनीना।** गांव कोटिया में दो किसानों की कोठरी का ताला तोड़कर अज्ञात चोर मोटर की केबल व अन्य सामान चोरी कर ले गए। इस बारे में किसान सुबेसिंह ने सिटी थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके बोरवैल की मोटर जल गई थी, जिसे निकाल कर कोठरी में रखा था। सुबह साढ़े 11 बजे उनके पड़ोसी ने कोठरी का ताला टूटा होने की सूचना दी। उन्होंने मौके पर जाकर देखा तो 400 फुट बिजली की केबल गायब मिली।

### लंबित मांगों को लेकर विधायक को सौंपा ज्ञापन

**महेंद्रगढ़।** नंबरदार एसोसिएशन की ओर से अपनी लंबित मांगों को लेकर विधायक कंवर सिंह यादव को ज्ञापन सौंपा। जिला प्रधान राजकुमार जांगड़ा ने बताया कि सरकार नंबरदारों की मांगों की तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहीं है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चुनाव से पहले वादा किया था कि नंबरदारों की मांगें पूरी करेंगे, लेकिन अब सरकार उनकी मांगों की तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहीं है। उन्होंने बताया कि जिस गांव में नंबरदार नहीं है उसे विरासत के इंतकाल के लिए गांव के लोगों को परेशानियां उठाने पड़ती है।

# अप्रैल के अंत गर्मी से होना पड़ेगा रूबरू, मई में राहत के आसार, मौसम विभाग का पूर्वानुमान 1 से 7 मई तक तेज बारिश की संभावना, आमजन को गर्मी से मिलेगी राहत

### अप्रैल के अंत व मई महीने के पहले सप्ताह में मौसम में आएगा बदलाव, सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम परिवर्तन शील बना हुआ है। सम्पूर्ण इलाके में आंशिक बादलवाही व साथ ही साथ तेज गति से हवाएं अंधड़ की गतिविधियां देखने को मिल रही है। आसमान में बादलों के साथ अंधड़ की गर्द चढ़ी हुई रही। वर्तमान में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मौसम परिवर्तनशील बना हुआ है। सम्पूर्ण इलाके में बादलों की आवाजाही व 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिमी दक्षिणी हवाएं चलने अंधड़ की गतिविधियां देखने को मिल रही है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार मई महीने में एक के बाद एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होंगे। जिससे एक मई से सात मई तक तेज बारिश की संभावना बन रही है। ऐसे में मई महीने में आमजन को गर्मी से राहत मिलने की संभावना है। उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से उत्तरी राजस्थान पर एक कमजोर चक्रवातीय सर्कुलेशन से हवाओं की दिशा पश्चिमी दक्षिणी होने से आंशिक बादलवाही व तेज गति से हवाएं, अंधड़ की गतिविधियां देखने को मिल रही है। हालांकि इन हवाओं व बादलवाही रात के तापमान में हल्की गिरावट आई है, लेकिन दिन में आमजन को गर्मी से परेशान होना पड़ रहा है।एक तरफ हीट वेव से आमजन को राहत मिली है। वहीं उष्ण आर्द्र हवाओं से उमसभरी पसीने वाली गर्मी से को रूबरू होना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले एक सप्ताह तक यानी 26 से 30 अप्रैल तक दिन के तापमान में बढ़ोतरी व हीट वेव की परिस्थितियां बनी रहेगी। जिसकी वजह से हरियाणा एनसीआर दिल्ली पर इस दौरान येलो अलर्ट जारी रहेगा। हरियाणा एनसीआर में अधिकतर स्थानों पर दिन का तापमान 39.0 डिग्री सेल्सियस से 43.0 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया है।

■ दिन का तापमान 39.0 डिग्री से 43.0 के बीच दर्ज किया गया

मौसम विशेषज्ञ डा. चन्द्र मोहन।

### क्या कहते हैं मौसम विशेषज्ञ

*मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्र मोहन ने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ में नारनौल में दिन का तापमान 41.0 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 21.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में हरियाणा एनसीआर दिल्ली में बैक टू बैक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से अप्रैल महीने के अंत व मई महीने के पहले सप्ताह में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। इस दौरान सम्पूर्ण इलाके में लगातार अप्रैल महीने के अंत तक तापमान में बढ़ोतरी व हीट वेव अपने रंग दिखाएगी। इसके बाद मई महीने के पहले सप्ताह में एक से सात मई तक बारिश, तेज गति से हवाएं चलने, अंधड़ व बादलवाही से सम्पूर्ण इलाके में बढ़े हुए तापमान तथा हीट वेव से आमजन को राहत के आसार बन रहे हैं।*

### अप्रैल माह के राशन का इंतजार कर रहे उपभोक्ता

# गरीबों के निवाले में देरी, अब तक राशन वितरित नहीं होने से लोग परेशान

■ अप्रैल माह की तपती गर्मी में लिए वितरित किया जाएगा बाजरा, जिसे पशु चिकित्सक गर्मी के मद्देनजर पशुओं को खिलाना भी कर चुके हैं बंद

राजकुमार ▶▶ नारनौल

भूखे पेट भजन न होए गोपाला। सरकार ने गरीब परिवारों का ऐसा ही हाल बना रखा है, क्योंकि सरकार आमलोगों से गुणगान की उम्मीद रखती है, लेकिन वह समय पर राशन वितरण करने में विफल रही है। गौर करें तो अप्रैल माह के दो–चार दिन नहीं, बल्कि पूरे 27 दिन बीत गए हैं, लेकिन राशन डिपुओं के जरिए गरीबों में वितरित किया जाने वाला सस्ता अनाज उन्हें अब तक नसीब नहीं हो पाया है। इतना ही नहीं, 43 डिग्री वाले तापमान में भी गरीबों को गेहूं की बजाए बाजरा उपलब्ध करवाएगी, जिसे गर्मी के दिनों में पशुओं के लिए ही चिकित्सक हानिकारक बताते हुए उसे खिलाना बंद करवा देते हैं। इन हालात में जब गर्मी में लोग बाजरा खाएंगे तो उनका स्वास्थ्य कैसा रहेगा, आसानी से कल्पना की जा सकती है। सरकार अप्रैल माह का राशन 27 दिन बीतने के बावजूद राशन डिपुओं पर अलॉट नहीं कर पाई है। ऐसे में राशन डिपू वाले, जिनके पास एक से अधिक चार–पांच गांवों के डिपो हैं, वह राशन वितरित कैसे करेंगे, यही यक्ष प्रश्न है। बता दें कि अप्रैल माह के राशन की सरकार की ओर से एलोकेशन ही जारी करने में भारी देरी बरती गई और महीने का अंत आ गया। अब महज एक दिन पहले ही खाद्यापूर्ति विभाग के पास राशन की एलोकेशन आई है, जिस पर आनन–फानन में आज संडे के दिन ही राशन डिपुओं पर राशन भिजवाया जा रहा है। यही कार्य सोमवार को भी किया जाएगा, क्योंकि राशन बांटने में पूरा सप्ताह लग जाता है। राशन जारी करने उपरांत राशन को डिपुओं में लगी मशीनों में दर्ज किया जाता है, जिसके बाद ही डिपो होल्डर राशन कार्ड धारक को राशन बांट सकता है। आजकल ऑनलाइन सिस्टम होने से यदि महीना क्रॉस हो जाए तो पिछले महीने का राशन लैप्स हो जाता है।

नारनौल। संडे का एक डिपो पर उतारा जा रहा राशन। फोटो : हरिभूमि

### जिले में चल रहे 305 राशन डिपो

*बता दें कि जिला महेंद्रगढ़ में इस समय 305 राश डिपो चल रहे हैं और 17 हजार 240 एएवाई तथा 1 लाख 67 हजार 108 बीपीएल राशन कार्ड धारक हैं, जिन्हें सरकार की योजना के अनुसार प्रत्येक माह सस्ता राशन उपलब्ध करवाया जाता है।*

### यह मिलता है राशन

सरकार की सस्ता राशन योजना के तहत एएवाई एवं बीपीएल कार्ड धारकों को राशन डिपुओं के जरिए प्रत्येक माह सस्ता राशन उपलब्ध करवाया जाता है। हरियाणा में एक बीपीएल व्यक्ति को पांच किलोग्राम गेहूं/बाजरा वितरित किया जाता है। इसी प्रकार एक राशन कार्ड पर एक किलोग्राम चीनी 13.50 रुपये एवं दो लीटर सरसों का तेल 20 रुपये में वितरित किया जाता है। सरकार कोरोना महामारी के बाद से अनाज मुफ्त बांटती आ रही है, जबकि पहले इसका दो रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से मूल्य लिया जाता था। इसके अलावा डिपो धारक उपभोक्ताओं को कपड़े धौने का सर्फ, माचिस व अन्य कोई घरेलू उत्पाद भी राशन के साथ बिक्री किया जाता रहा है, जिसकी कीमत कार्ड धारकों से अलग से वसूल की जाती रही है।

### समय पर राशन नहीं मिलने से परेशानी

इस बार ही नहीं, अनेक बार डिपुओं पर सस्ता राशन मिलने में उपभोक्ताओं को देरी का सामना करना पड़ता है। इससे गरीब परिवारों की राशन व्यवस्था गड़बड़ा जाती है और उन्हें पेट भरने के लिए दुकानों या किसानों से पैसे देकर महंगे भाव में राशन खरीदना पड़ता है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति और खराब हो जाती है। पीड़ित लोगों सुरेश, रामकुमार, राजवंती, भूपसिंह, कालूराम, राजेश, मुकेश आदि ने बताया कि पूरा महीना बीतने को है, लेकिन अब तक उन्हें राशन नहीं बांटा गया है। खेतों से नया अनाज आ गया है, लेकिन किसान अनाप–शनाप दाम मांग रहे हैं। गेहूं ही नहीं, घर में चीनी एवं सरसों का तेल भी खत्म हो गया है। अब यदि कोई रिश्तेदार घर में आ जाए तो उसके लिए चाय बनाना भी मुश्किल हो रहा है। ऐसे में सरकार को कोई ढील नहीं बरतनी चाहिए तथा ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए कि यह प्रत्येक माह की दस तारीख से पहलेमिल जाए।

### यह बोले अधिकारी

एएफएससी अरुण कुमार सैनी ने बताया कि अबकी बार राशन की एलोकेशन समय पर नहीं मिल पाई। राशन मिलने में देरी होने के कारण ही उसे डिपुओं पर देरी से बांटा जा रहा है। राशन कार्ड धारकों की वह परेशानी समझते हैं तथा अगले दो–तीन दिनों में सभी जगह राशन वितरित कर दिया जाएगा। किसी को नुकसान नहीं होने दिया जाएगा।

नारनौल। मीटिंग करते पीडब्ल्यूडी विभाग के कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

# लोनिवि के कर्मचारी आज से देंगे धरना

■ तानाशाही और कर्मचारी विरोधी रवैये के खिलाफ अनिश्चितकालीन धरना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन (रजि. नं. 41) जिला कमेटी महेंद्रगढ़ की लोक निर्माण विभाग भवन एवं मार्ग शाखा ने 28 अप्रैल से सांकेतिक धरने की शुरूआत करने की घोषणा कर दी है। रेस्ट हाउस पार्क में आयोजित मीटिंग में धरने की जानकारी देते हुए प्रधान कपिल यादव ने आरोप लगाते हुए बताया कि कार्यकारी अभियंता लोक निर्माण विभाग भवन एवं मार्ग मंडल अधिकारी के भ्रष्ट, तानाशाही और कर्मचारी विरोधी रवैये के खिलाफ अनिश्चितकालीन धरना दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा लंबे समय से कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों को ठंडे बस्ते में डालना एवं उनकी आवाज को अनसुना करना बर्दाश्त से बाहर है। कार्यकारी अभियंता को बार-बार पत्राचार के माध्यम से फिर कर्मचारियों की मांगों के बारे में बताया गया, लेकिन न तो कार्यकारी अभियंता ने कर्मचारियों की मांगों का समाधान किया और न ही संगठन के पदाधिकारी से बुलाकर बातचीत की गई। इसलिए वह यह साफ कर देना चाहते हैं कि यह एक सोची-समझी साजिश है, जिससे यूनियन की आवाज को दबाया जा सके, लेकिन हम न दबेंगे, न झुकेंगे। 28 अप्रैल से सुबह 10 बजे से लोक निर्माण विभाग भवन एवं मार्ग मंडल कार्यालय पर धरना लगाया जाएगा। इस दौरान सरकारी कार्य में बाधा के जिम्मेवार कार्यकारी अभियंता व उसका कार्यालय होगा।

इस मौके पर सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान कौशल यादव, जिला सचिव विजेंद्र शर्मा, जिला कैशियर नरेंद्र, ब्रांच सेक्रेटरी सतीश डरोलिया, ब्रांच प्रधान कपिल यादव, ब्रांच सचिव अनिल शर्मा, ब्रांच कैशियर विकास, इरीगेशन ब्रांच प्रधान अनिल समेत यूनियन के अनेक कर्मचारी हाजिर रहे।

# ईडब्ल्यू रैंकिंग में टॉप परफॉर्मिंग यूनिवर्सिटी श्रेणी में हकेंवि का स्टेट में पहला स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को प्रतिष्ठित ईडब्ल्यू इंडिया हायर एजुकेशन रैंकिंग 2024-25 में टॉप परफॉर्मिंग यूनिवर्सिटी आफ द ईयर श्रेणी में देशभर में आठवां एवं हरियाणा राज्य में पहला स्थान प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय को हरियाणा राज्य के सरकारी विश्वविद्यालयों की श्रेणी में तीसरा स्थान भी प्रदान किया गया है।

देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में विश्वविद्यालय को यह पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों तथा समस्त हितधारकों को देते हुए उनका आभार व्यक्त किया। विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के निदेशक प्रो. सुरेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे। पिछले वर्ष (2023) में विश्वविद्यालय की रैंकिंग 33वीं थी, जो अब बढ़कर 29वीं हो गई है। कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन की दिशा में निरंतर प्रयासरत है और भविष्य में भी नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा। विश्वविद्यालय के सम कुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय शोध व नवाचार न के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है और राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दे रहा है।

महेंद्रगढ़। यूनिवर्सिटी आफ द ईयर का सम्मान लेते हुए कुलपति। फोटो : हरिभूमि

### 88.8 किमी लाइन, 26.57 करोड़ रुपये की आएगी लागत

### सांसद ने लिखा था इंजीनियर इन चीफ को पत्र

# 27 गांवों एवं 6 ढाणियों में पीने के पेयजल के लिए बिछाई जाएगी पाइपलाइन, विभाग ने भेजा प्रस्ताव

*इन गांवों एवं ढाणियों में लोगों को पीने के पानी के लिए परेशानी हो रही थी। इस विषय को लेकर सांसद ने केन्द्र सरकार के गठन के तुरंत बाद जन स्वास्थ्य विभाग के तत्कालीन इंजीनियर इन चीफ को पत्र लिखकर इन सभी गांवों एवं ढाणियों का जल्द से जल्द सर्वे करवाकर बची हुई पाइपलाइन का अस्टिमेट भेजने बारे कहा था।*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से सतनाली क्षेत्र के 27 गांवों एवं 6 ढाणियों में पीने के पानी की सप्लाई के लिए बची हुई पाइपलाइन बिछाई जाएंगी। इसके लिए विभाग ने प्रस्ताव बनाकर मंजूरी के लिए मुख्यालय भेज दिया है। करीब 88.8 किलोमीटर की लंबी लाईन में 26.57 करोड़ रुपये की लागत आएगी। बता दें कि सतनाली क्षेत्र के एक दर्जन से भी अधिक ढाणियों में पीने के पानी की पाइपलाइन पूरी नहीं बिछाई गई थी। इन गांवों एवं ढाणियों में लोगों को पीने के पानी के लिए परेशानी हो रही थी। इस विषय को लेकर सांसद ने केन्द्र सरकार के गठन के तुरंत बाद जन स्वास्थ्य विभाग के तत्कालीन इंजीनियर इन चीफ को पत्र लिखकर इन सभी गांवों एवं ढाणियों का जल्द से जल्द सर्वे करवाकर बची हुई पाइपलाइन का अस्टिमेट भेजने बारे कहा था। इसके बाद प्रदेश में चुनाव की आचार संहिता लग गई थी, लेकिन अब विभाग की ओर से प्रस्ताव बनाकर मंजूरी के लिए मुख्यालय भेज दिया गया है।

### सर्वे का काम हुआ पूरा

*लोकसभा निगरानी समिति के सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि सभी गांवों की पंचायतों को विश्वास में लेकर सर्वे करवाया गया तथा अब इसका अस्टिमेट मुख्यालय भिजवाया गया है। सांसद धर्मबीर सिंह एवं विधायक कंवर सिंह के सहयोग से इस अस्टिमेट को जल्द-से-जल्द मंजूर करवाया जाएगा। जिससे इन सभी गांवों एवं ढाणियों में पीने के पानी की सप्लाई सभी घरों तक सुनिश्चित की जा सके। संदीप मालड़ा ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार का उद्देश्य है कि गांवों में सभी घरों तक पीने का पानी नल के द्वारा पहुंचाया जाए। जिससे लोगों को साफ पानी उपलब्ध हो सके।*

### इन गांवों को सुविधा

मांडोला में 2985, मांडोला में 2985, उष्मापुर में 3060, जेरपुर में 3125, राजावास एवं ढाणी में 4300, नांगलमाला में 1785, बलाना में 2672, राठीवास एवं देवराली में 1305, माधोगढ़ में 4955, डालनवास में 4500, गादडवास में 4500, बारड़ा में 6650, डिगरोता में 1400, नावा में 4250, सुरहेती जाखल में 3279, सुरहेती पिलानिया में 4038, सुरहेती मोडियाना में 1378, ढाणा में 3720, जड़वा व ढाणी में 4300, श्यामपुरा में 4900, बासडी में 2200, सोहड़ी में 2130, जवाहर नगर एवं ढाणी ब्राह्मणान में 4250, नंगला में 2500, बास में 4450, ढाणी बीरसिंह बास में 650, ढाणी मंढियाली में 430, ढाणी भालौठिया में 1530, ढाणी कुम्हारान में 808 मी. लंबी पाइनपाइन बिछाई जाएंगी।

*जो प्रेम असहिष्णु हो, जो दूसरों के मनोभावों का तनिक भी विचार न करे, जो मिथ्या कलंक आरोपण करने में संकोच न करे, वह उन्माद है, प्रेम नहीं।*

**- मुंशी प्रेमचंद**

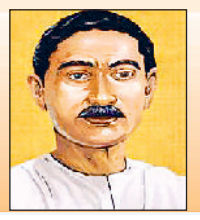



*कभी-कभार वह देर रात तक घर लौटती थी। हमें उसके आने का बेसब्री से इंतजार रहता और सड़क की उतराई पर टकटकी लगाए घंटों देखते रहते, परन्तु बुआ नहीं आती। कभी छींका खाली मिला तो भूखे ही बैठे रहते, मौसी से रोटी माँगने की हिम्मत नहीं होती थी। कहते भी तो मौसी झिड़क देती थी-''खाने का ही काम है। यहाँ कोई भंडारा खुला है- जब बने खा लेना।''*

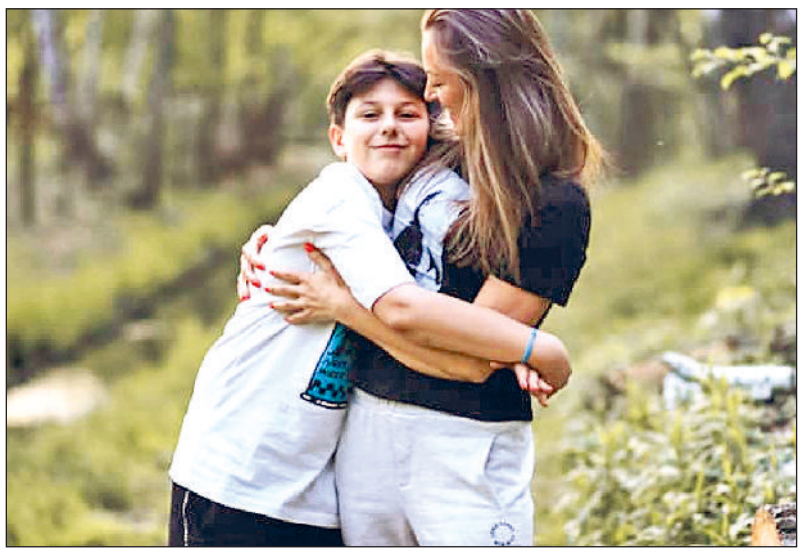

कहानी

**डा. सुरेश वशिष्ठ**

# बुआ

मां की याद उभरती-ख्वाबों की तरह। मैंने उसे कभी देखा नहीं, फिर भी उसकी याद को दिल में सँजोए रहा हूँ। बुआ के पास उसकी एक तस्वीर देखी है, जिसे देखने पर दिल में ख्वाब जाग उठते थे और मैं दुलार की कामना में खोने लगता था। मौसी जब बखेड़ा कर बैठती तब लगता कि माँ होती तो यह होता ही क्यों, मौसी घर में आती ही क्यों? बापू दूसरी शादी करते ही क्यों। होनी को कौन टाल सकता है। माँ मरी तो मौसी आ गई। अपना भाग्य, दोष किसे दूँ? मुझे तो अपना जीवन जीना ही था। माँ के अभाव को बुआ ने महसूस नहीं होने दिया। फिर भी यह लगता ही था कि कहीं कुछ अधूरा है, वीरान है। कोई तड़प जगती और हम बुआ की गोद में मुँह घुसेड़कर रो दिया करते।

मेरी माँ बुआ को बहुत चाहती थी। उसकी मौत के समय मेरी उम्र एक माह की थी। भाभी के बच्चों को पालना ही बुआ ने अपना फर्ज समझा और ससुराल से अपना नाता सदा-सदा के लिए तोड़ लिया। बड़ी दो बहनों की शादी माँ के सामने हो गई थी। कौशल्या बची थी और एक मैं, जिसका बोझ बुआ के बेसहारा कंधों पर था। मौसी जब हमें लेकर कुहराम छेड़ती, तब बुआ अपनी गोद में हमें दुबका लेती और मौसी को भला-बुरा कहती, परन्तु वह थी कि समझती ही नहीं थी। बापू भी मौसी की ही तरफदारी करते थे। बुआ हमारे लिए उनसे कुछ लाने को कह देती तब मौसी बिफर उठती और हमें सौत का गोबर कहकर कोसा जाता था। बापू चुपचाप सब सुनते थे, लेकिन कहने को उनके पास कुछ नहीं होता था, और ना ही मौसी को उन्होंने कभी कुछ कहा।

मौसी के दोनों बच्चे खूब उत्पात मचाते और खुलकर हँसते-खेलते लेकिन हमारे कूदने और हँसने पर पाबन्दी थी। पड़ोस के मनहर काका के घर हमें खुलकर हँसने और खेलने की आजादी थी। वह काकी भी हमें बहुत चाहती थी। यह काकी मेरी माँ की सखी थी। बापू पहले ऐसे नहीं थे। माँ को बहुत चाहते थे और हमें भी बेहद प्यार करते थे, लेकिन यह सब माँ के सामने ही था।...अब जाने क्यों वे हम सभी से दूर रहने लगे थे। बुआ शादी के बीस वर्ष बाद भी माँ नहीं बन पाई थी। शायद कुदरत को यही मंजूर था। यह भी उन्होंने सोच लिया था कि बीस वर्षों में जब औलाद पैदा नहीं हुई तो अब कहाँ से होगी। फूफा दूसरी ब्याहता ले आये थे और उससे उन्हें चार बच्चे प्राप्त हुये। उनका घर-संसार बस गया। बुआ को यही बड़ी खुशी थी। अब शायद हमें ही पाल-पोसकर वह माँ की जगह बैठना मुनासिब समझने लगी थी। हमें रुआँसी आती तो वह छाती में हमें दुबका लेती और कहती--''मैं माँ ही तो हूँ ! पगला-- बौरा गया क्या?''

बुआ और हम सौतेली माँ के मोहताज थे। हालांकि बुआ स्वयं भी कमाती थी, और जुगाड़ नहीं हुआ तो बड़ी बहनों की ससुराल खबर कर देती, परन्तु हमें किसी चीज से निसारा नहीं रखती थी। लाली हमें लुभा-लुभा कर बाजार जाती थी। मौसी की इस लड़की को ना जाने क्यों- हमें लुभाने में बड़ा मजा आता था। मौसी उसे प्यार करती, दुलारती और हमें सुनाती हुई पैसे देकर बाजार भेजती। कहती--'कुछ लेकर खा लेना।' उस समय बुआ का मन गमगीन होने लगता था। कुछ-कुछ बुनता-सा और सूरत रोनी-सी, कभी हमें लगता भी था कि वह रो रही है। कभी वह मौसी को समझाती-''परसी की बहू, बच्चों से यह भेद अच्छा नहीं।...इन्हें भी कुछ ला दिया कर, खिला-पिला दिया कर ! परसी का ही खून है, ऐसा दुराव ठीक नहीं।'' तब मौसी होंठ बिचकाती और 'ऊहूँ' कह कुढ़ पड़ती थी।

हमें स्कूल पहुँचाकर बुआ निकट के ही गाँव में, काम पर चली जाती थी। हमें कह कर जाती- 'तुम्हारे लौटने तक आ जाऊँगी। स्कूल से सीधे घर आना, मौसी कुछ कहे तो जवाब नहीं देना। छींके पर रोटी रखी हैं--पूछकर खा लेना।'

कभी-कभार वह देर रात गए तक घर लौटती थी। हमें उसके आने का बेसब्री से इंतजार रहता और हम सड़क की उतराई पर टकटकी लगाए घंटों देखते रहते, परन्तु बुआ नहीं आती। कभी छींका खाली मिला तो भूखे ही बैठे रहते, मौसी से रोटी माँगने की हिम्मत नहीं होती थी। कहते भी तो मौसी झिड़क देती थी। गुस्से से वह कहती-''खाने का ही काम है। हर समय खाना-खाना, यहाँ कोई भंडारा खुला है- जब बने खा लेना।'' उसका 'ऊहूँ' कहकर कुढ़ना अब तक हमें याद है। दोनों भाई-बहन चुप-चुप खरगोश से तांकते और कुछ बोलते नहीं थे। बुआ काम से लौटकर पूछती-- 'खाना खाया?' तो हम झूठे ही हामी भर देते। कौशल्या कहने लगती- 'देर से क्यूँ आती हो बुआ?' तब वह कहती-'किसी दिन काम देर तक होता है तो देर हो ही जाती है।' मौसी हँस पड़ती और आँखें नचाकर चिढ़ाती--'जनना तो रहा नहीं, पोसने चली है।...मालूम नहीं कहाँ-कहाँ मरती फिरती है।' बुआ केवल घूरती-कुछ कहती नहीं। माँ के मरने से ही बुआ को यह सब सुनना पड़ रहा था। काकी बताती है- 'कभी तेरी माँ ने बुआ को इतना नहीं कहा। इज्जत भी दी और सब्र भी।'और मेरी मौसी, उसे तो बुआ फूटी आँख भी नहीं सुहाती। एक रोज बुआ बहुत उदास दिखाई दी। शायद जी-भर वह रोई भी थी। उस दिन वह खेत में हमें अपने साथ ले गई। जीजी ने पूछा-''बुआ, तुम्हें मौसी क्यों जली-कटी सुनाती है, वह घर क्या तुम्हारा नहीं?'' तिस पर वह बोली--'तू कुछ नहीं सोच...फिर मुझे ही तो कोसती है।' और इतना कहकर, हमें अंक में भर वह दहला देने वाली हूक के साथ रो पड़ी थी। उसे यूँ रोता देख हम भी रोने लगे थे। रोते-रोते जब थक गये, तो बुआ ने साग तोड़ा और पास बैठाकर हमें दिलासा देने लगी-''तुम कुछ ना सोचा करो। सोचने को मैं जो हूँ।...मुन्नू बड़ा होगा तब हमारा अपना घर बनेगा। वहाँ कोई कुछ कहने वाला नहीं होगा।''

मुझे दुलार कर कहने लगी-''तू जल्दी बड़ा हो जा मुन्नू...तुझे नौकरी लगवाऊँगी और ठाठ से तेरा ब्याह करूँगी...तब होगा अपना घर।'' वह सब सहना हमारी नियति थी। हमें अच्छे-बुरे का ख्याल होने लगा था और हम अनचाहे समय को पीछे धकेलने लगे थे। समय को पंख लगाकर उड़ा देने की लालसा थी हमारी।

मैं सोचने लगता था-''नौकरी पर खड़ा हो जाऊँगा तो बुआ को आराम दूँगा। बहुत पीड़ा सही है बुआ ने, बापू तो हमारी खैर-खबर कभी लेते ही नहीं । बुआ ना होती तो क्या होता- सोचकर भी डर लगने लगता है।'' समय बीतता रहा और हम बड़े होते रहे।

कौशल्या का चौहदवाँ साल बीत रहा था। एक रोज उसने कहा--''स्कूल नहीं जाऊँगी। तुम मजदूरी करती हो ना, मैं भी करूँगी।'' तब बुआ बिफरी--''चुपकर ! सीधे स्कूल चली जा, दो किलास पास कर लेव तो तेरा ब्याह रचा दूँ।'' कौशल्या जिद करने लगी। बुआ को गुस्सा आ गया और उसने एक जोरदार थप्पड़ कौशल्या के मुँह पर जड़ दिया। गाल सुर्ख हो गया। उसकी थकी-सी आँखों से चुप-चुप आँसू चूने लगे। बुआ भी सुबक पड़ी। सहमी-सहमी नजरों से कौशल्या उसके रोने को देखती रही और फिर उसके घुटनों में दुबककर सिसकने लगी। जीजी ने फिर मजदूरी पर जाने को कभी नहीं कहा। एक रोज मौसी और बुआ में जोरदार झगड़ा हुआ। मौसी ने हमारे गूदड़ फेंक दिये और बुआ को घर की कच्ची कोठरी में रहने को ढकेल दिया। बापू ने सब देखा पर अनजान बने रहे।

*उस शाम, दरवाजा खुला था। भीतर गहरा सन्नाटा व्याप्त था। बाती तक नहीं जली थी। मुझे चिंता हुई-''क्या बुआ घर में नहीं है? बाती क्यूँ नहीं जलाई...कहीं बुआ बीमार तो नहीं?'' मन घबराने लगा था। तेज-तेज कदमों से मैं भीतर पहुँचा। बुआ को आवाज दी।*

तब के बाद हम वहीं रहने लगे। बुआ सुबह काम पर जाती और देर संध्या तक घर लौटती। जीजी घर का काम सँभालती। स्कूल जाने तक और स्कूल से लौटने तक सब काम निपटा लेती। कच्ची कोठरी में हम पहले से सुखी थे। वहाँ आनन्द ही आनन्द था। अपना मन और अपनी खुशी थी। गरीब हुये तो क्या हुआ-खुलकर हँस तो सकते थे। रोने पर भी कोई पाबन्दी नहीं थी। अब बुआ को भी हम पहले सी चुप-चुप और गमगीन नहीं देखते थे। लेकिन बुआ काम से थकी-थकी घर लौटती और नींद में कुहुलती थी। समय बीतता गया और जीजी ने दसवीं पास कर ली। तब, एक रोज--बड़ी जीजी व जीजाजी घर आए। उनके साथ दो औरतें भी थीं और एक पगड़ बाँध बुड्ढा भी। वह कौशल्या को देखने आये थे। बड़े जीजा के रिश्तेदार थे और उन्हीं के कहने से बुआ ने यह रिश्ता पक्का किया था। रिश्ता तय हुआ तो बुआ ने राहत की साँस ली। शादी की तारीख पक्की नहीं हुई थी लेकिन बुआ बहुत प्रसन्न थी।

मैं उस वक्त आठवीं में पढ़ रहा था। बुआ का स्वप्न जाग उठने को आतुर था। उसे राहत मिल रही थी कि अगले दो वर्ष में मुन्नू दसवीं पास कर लेगा। कहीं नौकर होगा तो राहत की साँस लूँगी। वह अब खामोश नहीं रहती थी, खूब चिहुँकती थी और खुश रहती थी। कहती थी--''साल-दो साल की मेहनत है, मुन्नू सब सँभाल लेगा। सुख की नींद सोऊँगी और बहू से डटकर सेवा कराऊँगी। मेरा बेटा नौकर होगा तो घर भर को आराम देगा। बुढ़ापा आ गया है, अब आराम की साँस लूँगी। भाभी का कहा पूरा हुआ। मुझे सुख मिलेगा और उसकी आत्मा को शान्ति। परसी ने जो किया-वह भोगे। खैर ! अब दिन ही कितने हैं?''जीजी आज दुल्हन बनी है। आँगन में मंगल-गीत गाये जा रहे हैं। ढोलक, थापी और नाच-आनन्द! रस्म हुई और कौशल्या को डोली-सी सजी कार में लिए उसका दूल्हा अपने गाँव ले गया। गाँव भर ने जीजी को खूब कन्यादान दिया था। मौसी ब्याह में शामिल नहीं हुई और ना ही उसने बापू को हम तक आने दिया। बापू की जगह मनहर काका ने पूरी की। विदाई के समय जीजी काका के गले लगकर जी-भर रोई थी। काका ने कहा था-''रो नहीं बेटी, जिनके पिता नहीं--वे अनब्याही नहीं रहतीं और तेरे पास तो काका है, बुआ है, बड़ी बहनें और भाई है।...तू काहे रोती है।'' पराया धन पराया हो गया। बुआ को जब कभी उसकी याद आती तो वह मुझे गोदी में दुबका लेती और बिस्तर में पड़ रहती।

समय के साथ-साथ बुआ अब बुढ़ा गई थी। उसे चिन्ता थी-''जाने मेरे बाद मुन्नू का क्या होगा, कौन सम्भालेगा इसे? बुढ़ापा आ धमका, अब क्या भरोसा।''मैंने इसी साल मैट्रिक पास किया था। बड़े जीजाजी ने नगर पालिका में जुगाड़ देखा और मुझे नौकरी पर खड़ा कर दिया। बुआ को मानो कारू का खजाना मिल गया था। वह बड़े जीजाजी की तारीफ करती नहीं अघाती थी। वर्षों से जो स्वप्न देख रही थी, वह पूरा होने को था। अब यही तमन्ना बाकी थी कि 'मुन्नू का ब्याह रचा दूँ और सुन्दर-सी बहू मेरे आँगन में दिखाई दे।' बापू के प्रति कभी-कभार उसका विक्षोभ फूट पड़ता था और वह ना जाने उन्हें कितना कुछ कह जाती थी। मेरी माँ को वह अब तक भुला नहीं पाई थी।

मेरा वह इतना ख्याल रखती थी कि जरा-सा मुझे कुछ हुआ नहीं कि हिरनी-सी सहम जाती और अपने ही घर में बीमार-सी लगने लगती। मानो कोई खुशी उसके हाथों से निकली जा रही हो ! मेरे बाहर जाने पर चिन्तित हो उठती थी और मेरे लौटने तक फिक्र में ही कुढ़ती रहती। उस शाम, दरवाजा खुला था। भीतर गहरा सन्नाटा व्याप्त था। बाती तक नहीं जली थी। मुझे चिंता हुई--''क्या बुआ घर में नहीं है? बाती क्यूँ नहीं जलाई...कहीं बुआ बीमार तो नहीं?'' मन घबराने लगा था। तेज-तेज कदमों से मैं भीतर पहुँचा। बुआ को आवाज दी। सन्नाटा और गहरा महसूस हुआ। दीया जलाया तो देखा- लकड़ी के खम्ब से पीठ टिकाए बुआ मौन बैठी है। मन थर-थर काँपने लगा...कुछ शंका भी हुई। छूकर देखा- बुआ नहीं थी। बची थी सिर्फ माटी। सूखा तन-निढ़ाल। आँखें दरवाजे पर लगी थी, पूरी खुली हुई आँखें... मेरी ही बाट जोहती। हथेली से पलकों को मूँदा और बुआ की गोद में सिर रख फूट पड़ा। चीखने लगा मन। बुआ-बुआ पुकारता मैं तड़फने लगा था...लेकिन मेरी बुआ ने आँखें खोलकर एक बार भी मुझे नहीं देखा। बुआ कहूँ या माँ, जिसकी अर्थी को कन्धों पर उठाए चल रहा हूँ। पीछे रह गया बहनों का आंतर्नाद...मन के गह्नर में बुआ की जिन्दा छवि उभर आई जिसमें उसे कहते सुना-''मुन्नू सब सँभाल लेगा...सुख की नींद सोऊँगी मैं...बहू से डटकर सेवा कराऊँगी।'' मन चीख पड़ा- ''बुआ..!'' लेकिन बुआ तो नहीं बोली..।

---

कविता | कृष्ण लाल' गिरधर '

## वक्त को वक्त नहीं लगता

वक्त चलता है अपनी चाल से उसे वक्त नहीं है।
मानव चलता है अपनी चाल से वह कमबख्त नहीं है।
वक्त ना देखे ऊंचा नीचा क्या वह सख्त नहीं है?
मानव भरा ऊंच-नीच से क्या वह कमबख्त नहीं है?

वक्त को वक्त नहीं है पर रहता है सावधान।
मानव वक्त के आगे झुकता खो देता है पहचान।
वक्त वक्त में वक्त बदलता, ना छोड़ेगा अपनी चाल।
मानव से गिरगिट शर्माए बदल बदल कर है बदहाल।

वक्त सभी को वक्त है देता, पहचान कराता वक्त पर।
उस मानव को सबक सिखाएं जो जीता दूजे के हक पर।
वक्त को वक्त नहीं लगता, वो वक्त पर बतलाता है।
जो मानव वक्त चूक गए , वक्त लौट ना आता है।

वक्त नहीं गुलाम किसी का अपनी इसकी है रफ्तार ।
वक्त के आगे सभी नतमस्तक, करता सभी से सम व्यवहार।
वक्त को वक्त नहीं लगता, छुड़वा देता है घर बाहर।
वक्त को वक्त नहीं लगता, पहना देवे खुशियों के हार।

मंथन | पं . कमलकांत भारद्वाज

## धैर्यविहीन युवा

बुजुर्ग समाज का आईना होते हैं । मैंने उनसे काफ़ी अनुभव और शिक्षाप्रद बातें सुनी। शेर ही जंगल का राजा क्यों हैं जबकि हाथी उससे कई गुना ताक़तवर और शक्तिशाली है। लेकिन शेर धैर्यवान है। एक रोज मैं अपने कुछ दोस्तों के साथ चर्चा कर रहा था कि आज की युवा पीढ़ी यानी 21वीं सदी के बच्चों के पास सभी सुख-सुविधाएं हैं जो कि आधुनिक युग के अनुसार परिपूर्ण है। लेकिन फिर भी आत्महत्या, रिश्तों में दरार और समस्याओं का तुरन्त समाधान चाहिए ऐसी स्थिति देखने को मिलती हैं। इन सभी का एक ही कारण है वो है धैर्यहीनता,सहनशीलता में कमी या सब्र न होना। अगर जीवन में कुछ करना है और निरन्तर पानी की तरह बहते रहना है तो युवा पीढ़ी को सहनशील या धैर्यवान बनना पड़ेगा। धैर्य आपकी क्षमता को प्रदर्शित करता हैं आप, धैर्यवान बनेंगे तो आप शक्तिशाली बनेंगे जंगल के राजा शेर की तरह जो भरपेट होने के बाद शिकार नहीं करता सब्र करता हैं।

कविता

प्रोफ़ेसर ज्योति राज

## प्रभात

नयन का नयन से नमन हो रहा है
ज़मीं पर ऊषा आगमन हो रहा है

परत दर परत चाँदनी कट रही है
वो देखो निशा का गमन हो रहा है

बढ़ी जा रही हौले हौले अरुणिमा
नये दिन का कैसा सृजन हो रहा है

मधुर मुक्त आभा सुगंधित पवन है
लगता है कहीं पर हवन हो रहा है

समय ये सराबोर उल्लास से है
चहूँ ओर उजला सदन हो रहा है

नया दिन हो जैसे नये गान जैसा
हृदय 'राज' कितना मगन हो रहा है

मुक्तक

वीरेंद्र मधुर

## सीमाएं

आतंकी रूबरू रहा होगा,
जो मरा वो हिंदू रहा होगा।
मधुर जो पूछता कि धर्म क्या ,
वहीं खून का बिंदू रहा होगा।।

तनावों से भरी सीमाएं हैं ,
हलक में घुसी चिंताएं हैं।
आग के संवाद से मधुर,
आतंक की भागी हवाएं हैं।।

अब चलेंगी मिसाइल ऐसा धुआं होगा,
दुश्मन के पेट में अब लंबा सुआ होगा।
देश में आक्रोश मधुर मासूमों के बदले,
आतंकियों के वास्ते सूखा कुआं होगा।।

---

**प्रसिद्ध साहित्यकार और कवि डॉ. शिवकांत शर्मा का आधुनिक युग में साहित्य के सामने आ रही चुनौतियों को लेकर कहना है कि हमारे साहित्य का बहुत ही गौरवशाली इतिहास रहा है, जो आज के दौर में अनेक कारणों से उपेक्षित है। इसका कारण सोशल मीडिया की विस्तारित लोकप्रियता, बढ़ते पाश्चात्य प्रभाव, मनोरंजन प्रधान मानसिकता आदि है, जिसकी वजह से समाज के बड़े हिस्से को स्तरीय व संस्कारित साहित्य से विमुख किया है।**

साक्षात्कार | ओ.पी पाल

# साहित्य के बिना समाज की कल्पना संभव नहीं : डॉ. शिवकांत शर्मा

भारतीय संस्कृति और सामाजिक परंपराओं को इस आधुनिक युग में जीवंत रखने की चुनौतियों से निपटने के लिए लेखक, कवि, गजलकार और साहित्यकार अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य संवर्धन करने में जुटे हैं। साहित्य से जुड़े विद्वानों में ऐसे ही साहित्यकारों में डा. शिवकांत शर्मा भी शुमार हैं, जो समाज को नई दिशा देने के मकसद से चिकित्सक होने के साथ साहित्यिक साधना करते आ रहे हैं। उन्होंने सामाजिक सरोकार, समसामयिक चिंतन, व्यवस्था से जूझते मानवीय संघर्ष व भारतीय मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन जैसे गंभीर मुद्दे अपने लेखन के मूल भाव में समाहित किये हैं। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में डा. शिवकांत शर्मा 'शिव' ने कुछ ऐसे अनछुए पहलुओं का जिक्र किया है कि साहित्य के बिना समाज की कल्पना करना बेमानी है।

हरियाणा के भिवानी में पेशे से चिकित्सक एवं साहित्यकार व कवि के रूप में लोकप्रिय डॉ. शिवकान्त शर्मा का जन्म हिसार जिले के गांव पेटवाड़ में मदनगोपाल शास्त्री और शशि देवी के घर में 23 जून 1958 को हुआ। उनके दादा पंडित रामप्रसाद उस समय के सुप्रसिद्ध लोककवि रहे हैं, जिन्होंने अनेक खंडकाव्य लिखे और वे सनातन के प्रबल प्रचारक व लोकप्रिय भजनोपदेशक भी थे। इनके पिता मदन गोपाल शास्त्री भी हरियाणवी संस्कृति के पुरोधा के रूप में हरियाणा के शीर्षस्थ साहित्यकारों में शुमार रहे हैं, जिनकी हिन्दी व हरियाणवी में 10 पुस्तकें सभी लेखन विधाओं में प्रकाशित हुई हैं। हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा उन्हें पंडित लखमीचंद सम्मान (2009) व महाकवि सूरदास सम्मान(2013) से विभूषित किया गया। परिवार से मिली साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ा रहे डा. शिवकांत शर्मा भी बचपन से ही इस क्षेत्र में अभिरुचि रखने लगे थे। हिंदी गीत, हरियाणवी गीत, कविता, दोहे और ग़ज़लों के साथ कहानी लेखन में भी गहन अभिरुचि रखने वाले डा. शिवकांत शर्मा ने अपनी पहली रचना एक कविता के रूप में महज 16 साल की आयु में लिख डाली थी। मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के बाद शुरू हुई उनकी साहित्यिक यात्रा अनवरत जारी है। उनकी सर्वप्रिय विधा गीत लेखन है। अपनी विलक्षण प्रतिभा के बल पर एमबीबीएस, एमडी की शैक्षणिक डिग्रियां हासिल करके भिवानी में एक अस्पताल का संचालन करके वरिष्ठ छाती रोग विशेषज्ञ के रूप में स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। बकौल डा. शिवकांत शर्मा, साहित्य जगत की शुरुआत में उन्होंने नीरज के गीतों से प्रेरित होकर अनेक गीत व कुछ कविताएं लिखीं, जिनका प्राणतत्व प्रेम भाव व प्रणय केंद्रित रहा है। उनकी रचनाए कॉलेज मैगजीन में भी छपती रही। वर्ष 1985 में उनकी नियुक्ति भिवानी के सरकारी अस्पताल में हुई, जिसके बाद उन्हें अनेक साहित्यिक अनुष्ठानों में भाग लेने का मौका मिलने लगा। यहां के शायरों के सम्पर्क व प्रभाव में आकर उनकी ग़ज़ल लेखन में रुचि और गहराती चली गई, हालांकि उनका गीत लेखन भी निरंतर चलता रहा। साहित्यिक मंच मिलने से अपनी रचनाएं सुनाने व और गुणी मित्रों की रचनाएं सुनने से लेखन में सुधार व निखार आया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक प्रेम भाव केंद्रित रचनाओं के बाद उनके लेखन के मूल भाव में मुख्यतयाः सामाजिक सरोकार, समसामयिक चिंतन, व्यवस्था से जूझते मानवीय संघर्ष व भारतीय मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन जैसे गंभीर विषय रहे हैं। वहीं पिछले कुछ समय से हरियाणवी ग़ज़ल में विशेष रुचि होने पर उन्होंने कुछ ग़ज़लें ठेठ हरियाणवी भाषा में भी लिखी और साहित्यिक मंचों से सुनाए जाने पर उन्हें लोकप्रियता मिली, जिन्हें सराहना भी मिली। डा. शिवकांत ने आकाशवाणी, हिसार दूरदर्शन, जनता टीवी आदि चैनलों पर आयोजित विभिन्न मुशायरों व कवि सम्मेलनों में सहभागिता की है और अखिल भारतीय 'ग़ज़ल कुम्भ' में कई बार ग़ज़ल पाठ किया। इनका कहना है कि जहां तक युवा पीढ़ी में साहित्य के प्रति अनुराग पैदा करने का सवाल है उसके लिए स्कूल स्तर पर उन्हें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक व साहित्यिक धरोहर से परिचित करवाना आवश्यक है। स्कूल व कॉलेज स्तर पर कविता लेखन प्रतियोगिताएं और कार्यशाला आयोजित कर युवा पीढ़ी को प्रोत्साहित करना होगा। वहीं आकाशवाणी व दूरदर्शन से युवा केंद्रित साहित्यिक गतिविधियां बढ़ाने की आवश्यकता है।

### प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि डा. शिवकांत शर्मा की प्रकाशित पुस्तकों में हरियाणा साहित्य अकादमी के सौजन्य से एक ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज़ से' प्रमुख रूप से सुर्खियों में है, जिसमें 84 ग़ज़लें शामिल हैं। जबकि उनका एक ग़ज़ल संग्रह व गीत संग्रह प्रकाशनाधीन हैं। ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज़ से' की भूमिका वरिष्ठ शायर ज़मीर दरवेश ने लिखी है। उनके लिखे गीत ग़ज़लें और अन्य रचनाएं राष्ट्रीय पत्र, पत्रिकाओं के अलावा काव्य संग्रहों में संकलित होकर प्रकाशित हुई हैं।

डॉ . शिवकांत शर्मा

### पुरस्कार व सम्मान

साहित्य के क्षेत्र में श्रेष्ठ उपलब्धियों के लिए डॉ. शिवकान्त शर्मा को हरियाणा साहित्य अकादमी ने उनके ग़ज़ल संग्रह 'दर्द की दहलीज़ से' को सर्वश्रेष्ठ कृति सम्मान से नवाजा है। वहीं वे राज्यकवि उदयभानु 'हंस' कविता सम्मान से भी अलंकृत हो चुके हैं। उन्हें विशिष्ट साहित्यिक अलंकरण, भिवानी रत्न, ग़ज़ल-गौरव सम्मान, पं. देवराज संधीर स्मृति सम्मान, पंडित माधव मिश्र भिवानी गौरव सम्मान जैसे अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

### व्यक्तिगत परिचय

**नाम** : डॉ. शिवकान्त शर्मा 'शिव'
**जन्मतिथि** : 23 जून 1958
**जन्म स्थान** : गांव पेटवाड़ (हिसार)
**शिक्षा** : एम.बी.,बी. एस, एम.डी.
**संप्रति** : चिकित्सक,साहित्यकार एवं कवि

---

# अनछुए पहलुओं की दास्तां 'हाजरा का बुर्का ढीला है'

**पुस्तक : हाजरा का बुर्का ढीला है**
**लेखिका : डॉ. तबस्सुम जहां**
**मूल्य : 17 5 रुपये**
**प्रकाशक : शिवना प्रकाशन**

पुस्तक समीक्षा | डॉ. अल्पना सुहासिनी

हाजरा का बुर्का ढीला है, डॉ. तबस्सुम जहां द्वारा लिखित एक रोचक एवं पठनीय कहानी संग्रह है। इस कहानी संग्रह में समाज के छुए-अनछुए पहलुओं पर बड़ी ही गहनता और मार्मिकता के साथ प्रकाश डाला गया है। संवाद शैली ऐसी है, कि कहानी को एक बार पढ़ना शुरू किया जाए, तो पूरी पढ़े बिना नहीं रहा जाता।

समाज के विभिन्न पहलुओं पर लिखी गई कहानियां दिल को छू जाती हैं और यह सोचने पर मजबूर कर देती हैं कि इतने समृद्ध कहे जाने वाले समाज में कुछ चीजें आज भी ज्यों की त्यों बनी हुई हैं। सभी कहानियां आरम्भ से लेकर अंत तक पाठक को बांधे रखती हैं। चूंकि कहानीकार स्वयं स्त्री हैं तो उनकी कहानियों में स्त्री पक्ष की दुविधाएं और विसंगतियां भी बखूबी उभरकर आई हैं। यह तबस्सुम जहां का पहला कहानी संग्रह है जिसमें 12 कहानियां हैं। शीर्षक कहानी, हाजरा का बुर्का ढीला है, पाठकों को सबसे ज़्यादा प्रभावित करती है। इस कहानी की विशेषता है संवादात्मक शैली। लेखिका ने अपनी कहानियों को बोझिलता से पूर्णतः बचाए रखा है और उनमें सरसता का पुट बनाए रखा है जिसके चलते कहानियाँ भीतर तक उतरती चली जाती हैं। इनकी कहानियों की जो दूसरी विशेषता हमारा ध्यान खींचती है वह है आंचलिकता का पुट। आधुनिक दौर में लेखन से आंचलिकता कहीं दूर जा रही हैं लेकिन ये कहानियाँ उस आंचलिकता को अपने में समेटे हैं जिस कारण उनकी सौंधी महक पाठकों को प्रफुल्लित, आनंदित करती है। मौत बेआवाज़ आती है, नामक कहानी में अपनी रोजी रोटी की जुगत में लगे मजदूरों की तकलीफ़, उनके दर्द, उनकी टीस की अभिव्यक्ति जिस देशज भाषा में हुई है उस प्रयोग ने कहानी को आमजन की कहानी बना दिया है। 'गुरु दक्षिणा' कहानी की अगर बात करें तो वह कहानी भी कहीं न कहीं शिक्षा जगत के अंधेरे पक्षों पर रोशनी डालती है। 'अपने अपने दायरे' कहानी में लेखिका ने मिसेज़ गिल की पूरी जिंदगी को 20 गोले के ज़रिए ऊकेर कर रख दिया है। उनकी, 'सच्चा भक्त' कहानी वर्तमान असहिष्णु दौर में शीतल बयार जैसी लगती है।

लेखिका को हिंदू मुस्लिम दोनों संस्कृतियों की नब्ज़ पता है, वे उनके भीतर तक पैठी हैं। इन संस्कृतियों में और इसी कारण उन्होंने जो भी लिखा वह अधिक विश्वनीय दस्तावेज है। संग्रह की अन्य कहानियां झूठा ईश्वर, प्रेम और समर्पण, कला और भीख, शहर वापसी भी अपने रोचक क्लेवर से पाठकों का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं।

## खबर संक्षेप

### एसयूसीआई (सी) पार्टी ने मनाया स्थापना दिवस, संघर्ष को किया याद

**नारनौल।** एसयूसीआई (सी) पार्टी के स्थापना दिवस पर पार्टी के संस्थापक कामरेड शिवदास घोष के चित्र पर माल्यार्पण कर पार्टी के निर्माण में उनके संघर्ष को याद किया गया। इस अवसर पर कॉमरेड सीताराम व कॉमरेड बलवीर सिंह ने कहा कि शिवदास घोष ने भारत के आज़ादी आंदोलन में भाग लिया। बाद में देश की एकमात्र कम्यूनिस्ट पार्टी का निर्माण का जिम्मा लिया और 1947 में बंगाल में अपने कुछ साथी के साथ मिलकर पार्टी निमार्ण का कार्य शुरू किया। उनके पास न साधन थे, न कोई बड़ा सामाजिक रुतबा था। देश में कम्यूनिस्ट पार्टी के नाम पर सीपीआई पार्टी थी।

### व्यक्ति से अवैध 13 शराब की बोतल बरामद

**मंडी अटेली।** अटेली सलीमपुर फ्लाई ओवर के समीप एक व्यक्ति से अवैध 13 शराब की बरामद की है। अटेली पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि सलीमपुर निवासी सीताराम अटेली सलीमपुर फ्लाई ओवर के समीप अवैध शराब बेच रहा है। पुलिस ने रैडिंग पार्टी तैयार करके सलीमपुर फ्लाईओवर के समीप पहुंची तो एक व्यक्ति सफेद कट्टे के साथ खड़ा था। तभी वह व्यक्ति पुलिस पार्टी को देखकर कट्टे को उठाकर तेज तेज कदमों से चलने लगा। पुलिस ने कट्टे को चैक किया तो उसमे कुल 13 बोतल शराब देशी मार्का रसीला संतरा बरामद हुई।

### खेत में गिरे बिजली खंबे से बना हादसे का अंदेशा

**कनीना।** कनीना में 33 केवी बिजली लाइन का खंबा गिरने से हादसे की संभावना बनी हुई है। इस बारे में किसान धर्मबीर सिंह की ओर से बिजली निगम के एसडीओ को शिकायत की गई है, लेकिन उसके बावजूद भी कोई कदम नहीं उठाए गए हैं। एसडीओ को दी शिकायत में उन्होंने कहा कि अटेली मोड़ के नजदीक से 33 केवी पावर ग्रिड सब स्टेशन कनीना से भोजावास फीडर की बिजली लाइन गुजर रही है। जिसका खंबा पिछले दिनों से खेत में गिरा हुआ है। जिससे बिजली तार जमीन को छू रहे हैं। जिनसे हादसा होने की प्रबल संभावना है।

### महासचिव ने रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया

**नारनौल।** इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा राज्य शाखा के महासचिव महेश जोशी ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। रेडक्रॉस सदियों से समाज सेवियों को साथ लेकर मानव सेवा में लगी हुई है और लोग इसका फायदा एठा रहे हैं। जोशी रविवार को नागरिक अस्पताल में स्थापित ब्लड बैंक में आयोजित रक्तदान शिविर में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस शिविर का आयोजन नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप के सचिव संदीप जैन व डॉ शिव कुमार की शादी की सालगिरह के उपलक्ष्य में रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से किया गया। इस कार्यकम की अध्यक्षता राकेश यादव चेयरमैन यूएसएल अकेडमी ने की।

### प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने आयोजित किया जिला स्तरीय सम्मान समारोह

# सेवा के नए आयाम गढ़ने का अवसर है महासचिव का दायित्व: जोशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

रेडक्रॉस हरियाणा के महासचिव के रूप में नियुक्त होने पर महेश जोशी के अभिनन्दन समारोह का आयोजन प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से रविवार को मोती नगर में किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष डा. संजय शर्मा ने बताया कि महेश जोशी को नवनियुक्त महासचिव के रूप में पदभार संभालने पर सर्वसमाज, नगर व जिले की अनेक सामाजिक संस्थाओं ने पगड़ी पहनाकर व माला पहनाकर सम्मानित किया। समारोह की अध्यक्षता भाजपा के जिला अध्यक्ष यतेन्द्र यादव ने की। विशिष्ठ अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जिला संघ चालक कैप्टन हंसराज, अटेली के पूर्व विधायक सीताराम यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष दयाराम यादव, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रमोद शास्त्री, शिक्षाविद मनोज गौतम, रेडक्रॉस सचिव बलवान सिंह थे। मंच संचालन प्रवक्ता डा. जितेन्द्र भारद्वाज ने किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ अध्यक्ष डा. संजय शर्मा के स्वागत भाषण से हुआ। समारोह में महेश जोशी ने कहा कि संघ की कार्यशैली में पद नहीं दायित्व होते हैं। रेडक्रॉस के महासचिव का जो दायित्व मिला है, वह सेवा के नए आयाम गढ़ने का अवसर है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार रेडक्रॉस के माध्यम से जनसेवा को जन जन तक पहुंचाना चाहती है। जिला संघ चालक कैप्टन हंसराज ने कहा कि संघ का कार्य ईश्वरीय कार्य है, संघ जाति, धर्म, रंग या बिना किसी भेदभाव सेवा कार्यों को अंजाम देता है। यही संघ की उत्कृष्टता है। भाजपा के जिला अध्यक्ष यतेन्द्र यादव ने कहा कि रेडक्रॉस जैसी महत्वपूर्ण संस्था के महासचिव के रूप में महेश जोशी को चुनकर हरियाणा सरकार ने सुशासन के अपने निश्चय को स्पष्ट कर दिया है। पूर्व विधायक सीताराम ने कहा कि संघ का एक एक कार्यकर्ता निष्काम सेवा की मूर्ति है। प्रमोद शास्त्री व मनोज गौतम ने कहा कि प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित यह समारोह सही अर्थों में सेवा का सम्मान था।

पूर्व जिला अध्यक्ष दयाराम यादव ने कहा कि महेश जोशी को सरकार ने यह दायित्व देकर पूरे जिले का मान किया है। समारोह में पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष शिवकुमार मेहता, विपिन शर्मा, डा. कृष्णा आर्य, जिला कमांडर टेकचंद यादव, अमीचंद सैनी, धर्मपाल शर्मा, डा. जितेन्द्र, राकेश शर्मा ने भी विचार रखे।

नारनौल। कार्यक्रम में महेश जोशी को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

#### संस्थाओं ने किया सम्मानित

ट्रस्टी नरोतम सोनी व भीमसेन शर्मा ने बताया कि रेडक्रॉस के महासचिव बनने के उपरान्त प्रथम बार नारनौल पहुंचे महेश जोशी के सम्मान में नगर की अनेक संस्थाएं उपस्थित रही। प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की टीम से डा. संजय शर्मा, डा. जितेन्द्र भारद्वाज, दिनेश शर्मा, भीमसेन शर्मा, राकेश कुमार, अजय शर्मा, अमित कुमार की टीम ने महेश जोशी का अभिनन्दन किया। टिंकू प्रधान के नेतृत्व में युवा साथी की पूरी टीम व महिला टीम ने महसचिव का अंगवस्त्रम, स्मृति चिह्न और फूलमालाओं से स्वागत किया। भाविप के अध्यक्ष कविन्द्र सचदेवा ने संस्था के तरफ से सम्मान किया। गौड़ ब्राहमण सभा, युवा सेवक संघ, भगवान परशुराम सेवा समिति, रोटरी क्लब, किशनलाल शिक्षा एवं जनसेवा समिति, शांति शिक्षा समिति गणेश कॉलोनी, बाल कल्याण परिषद से विपिन शर्मा, सनातन धर्म सभा, उड़ान जनसेवा ट्रस्ट, लोक संस्कृति प्रकोष्ठ, मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल, साहित्य संस्कृति मंच अटेली, रेडक्रॉस विभाग, सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ, हम भाई ग्रुप, गुरुनानक स्पोर्ट्स गौतम मिग्नाली, डिविजनल कमांडर टेकचंद यादव, एसपी सिंह सहित अनेक संस्थाओं ने महासचिव को सम्मानित किया।

#### यह रहे उपस्थित

जिला स्तरीय सम्मान समारोह में नगर संघ चालक विजय शर्मा, संघ से मनीप्रकाश, यशराज जिला विस्तारक, मुकेश शर्मा, ट्रस्टी राकेश शर्मा, दिनेश कुमार प्राचार्य, ब्रिगेड ऑफिसर विजय कुमार सतनाली, प्रेम शर्मा, भारत भूषण यादव, अजय कुमार झाडोलिया, नरोतम सोनी, डा. जितेन्द्र भारद्वाज, अमित शर्मा, मुकुल शर्मा, हिरेन, देव शर्मा, प्रभाष छक्कड़, राजकुमार गौड़, मनोज निर्मल, दिनेश शर्मा, सुदेश भारद्वाज, राकेश शर्मा, गोबिंद कुमार अधिवक्ता, पर्यावरणविद कृष्ण कुमार एडवोकेट, प्रदीप यादव, अनूप सिंह, छत्रसिंह वर्मा, पवित्र कुमारी, धर्मपाल शर्मा, सुशील चौटाला, मुरारीलाल शर्मा, बनवारी लाल एडवोकेट, अरुण शर्मा, धीरज भयाना, रोटेरियन पवन यादव, डा. पंकज गौड़ आदि मौजूद थे।

महेंद्रगढ़। कार्यशाला में भाग लेते शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

## शिक्षकों को प्रभावी कक्षा प्रबंधन के गुर समझाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

- बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में सीबीएसई वर्कशॉप आयोजित

गांव सुरजनवास स्थित बीआर ज्ञानदीप विद्यालय में सीबीएसई के तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीबीएसई द्वारा नियुक्त अनुभवी रिसोर्स पर्सन नरोत्मा शर्मा एवं राकेश कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यशाला में विद्यालय के समस्त शिक्षकों के साथ-साथ आसपास के विभिन्न स्कूलों के शिक्षकगण भी भागीदार बने। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों के शैक्षणिक, व्यावसायिक तथा नेतृत्व कौशल को और अधिक सशक्त बनाना रहा। दोनों दिनों में अनेक महत्वपूर्ण गतिविधियां संचालित की गईं। पहले दिन शिक्षकों को नई शिक्षा नीति 2020, कक्षाओं में नवाचार, आकलन आधारित शिक्षा प्रणाली तथा छात्र-केंद्रित शिक्षण विधियों पर आधारित संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए। शिक्षकों को समूहों में विभाजित कर माइक्रो टीचिंग, प्रश्न निर्माण कार्यशाला तथा कैसे प्रभावी कक्षा प्रबंधन करें जैसी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करवाई गई। दूसरे दिन रिसोर्स पर्सन्स ने ब्लूम्स टैक्सोनॉमी के अनुप्रयोग, 21वीं सदी के कौशल विकास, और इंटरएक्टिव टीचिंग टूल्स जैसे विषयों पर व्यावहारिक सत्र संचालित किए। शिक्षकों को वास्तविक कक्षा परिदृश्य प्रस्तुत कर रोल-प्ले, टीम वर्क आधारित असाइनमेंट, तथा समस्या समाधान गतिविधियां भी करवाई गईं। इसके अलावा, समूह चर्चा, केस स्टडी विश्लेषण, तथा पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता जैसी रचनात्मक गतिविधियों ने कार्यशाला को और भी रोचक बना दिया। अंत में विद्यालय के प्राचार्य रामवीर यादव ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यशालाएं शिक्षकों को निरंतर अद्यतन ज्ञान व कौशल प्रदान कर शिक्षा जगत में गुणात्मक सुधार लाने में सहायक होती हैं।

## आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष लोगों की आत्मा की शांति के लिए की श्रद्धांजलि सभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए भीषण आतंकी हमले में शहीद हुए निर्दोष नागरिकों की आत्मा की शांति के लिए दौगड़ा अहीर के बाबा रूपा दास मंदिर परिसर में हवन व श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आसपास के गांवों के नागरिकों ,आर्य समाज प्रतिनिधियों, पुलिस अधिकारियों, ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और हमले की कड़ी निंदा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य समाज के रघुवीर सिंह ने की। इस मौके पर बाबूलाल आर्य, श्योचंद साहब, रामानंद मास्टर, रामौतार, वेदप्रकाश आर्य, हरपाल थानेदार, बाबूलाल, महादेव कैप्टन, बबरूभान बोहरा, महाशय भारत सिंह, इंजीनियर अशोक यादव, सतवीर मास्टर, राजकुमार चेयरमैन, मनोज, इंजीनियर विकास यादव, तुशाल, विनीत व राहुल सहित अनेक सम्मानित ग्रामीण उपस्थित रहे। सभा का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण व हवन के साथ हुआ। इसके बाद वक्ताओं ने आतंकी घटना की निंदा करते हुए अपने विचार व्यक्त किए।

मंडी अटेली। दौंगड़ा पुलिस चौकी के इंचार्ज को गृहमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए।

बाबूलाल आर्य ने कहा देश की एकता और अखंडता पर हुए इस हमले ने हर देशवासी का हृदय व्यथित किया है। ऐसे समय में हम सभी को एकजुट होकर देश की सुरक्षा और सामाजिक समरसता को मजबूत करना चाहिए। आर्य समाज के प्रधान रघुवीर सिंह ने कहा सिर्फ सरकार ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को भी देश की सुरक्षा के प्रति सजग और जिम्मेदार बनना चाहिए। हरपाल थानेदार ने कहा कि यह हमला हमारे धैर्य की परीक्षा है, लेकिन हम एकजुट रहकर आतंक के मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देंगे। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात ग्रामीणों ने गांव में पैदल मार्च करते हुए स्थानीय पुलिस चौकी तक रैली निकाली। पुलिस चौकी दौंगड़ा में पहुंचकर ग्रामीण प्रतिनिधियों ने पुलिस चौकी इंचार्ज को देश के गृहमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सरकार से मांग की गई कि इस हमले के दोषियों को जल्द से जल्द पकड़कर उन्हें कठोरतम सजा दी जाए।

## गौड़ ब्राह्मण सभा ने अटेली में उत्साह से मनाई परशुराम जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली कस्बे में झंडा चौक पर गौड़ ब्राह्मण सभा की ओर से परशुराम जयंती का आयोजन किया गया, जिसमें गौड़ सभा के जिला अध्यक्ष राकेश मेहता विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान परशुराम भगवान विष्णु के अवतार हैं और हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। भगवान परशुराम का जन्म महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के घर हुआ था। उनका उद्देश्य पृथ्वी पर अधर्म और अन्याय को दूर करना था। उन्होंने भगवान परशुराम ने भगवान शिव से अस्त्र-शस्त्रों की शिक्षा प्राप्त की थी। वह एक महान धनुर्धारी और योद्धा थे। उनके जीवन का उद्देश्य भगवान परशुराम का जीवन का उद्देश्य पृथ्वी पर अधर्म और अन्याय को दूर करना था। उन्होंने अपने जीवन में कई राक्षसों और अन्याय करने वालों का नाश किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने राक्षसों का नाश क्षत्रियों का नाश किया, जिन्होंने अपने शक्ति का दुरुपयोग किया था। भगवान परशुराम ने धर्म की स्थापना की और पृथ्वी पर न्याय की पुनर्स्थापना की। इस अवसर पर गौड़ ब्रहमण समाज के समस्त नागरिक उपस्थित थे।

मंडी अटेली। परशुराम जयंती पर पदाधिकारियों को सम्मानित करते हुए।

## श्रीकृष्णा स्कूल में अध्यापक-अभिभावक मिलन समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

श्रीकृष्णा स्कूल महेंद्रगढ़ में अध्यापक-अभिभावक मिलन समारोह आयोजन किया गया। पीआरओ सुधीर यादव ने बताया कि अध्यापक-अभिभावक मिलन समारोह में कक्षा दसवीं व बारहवीं के विद्यार्थी एवं उनके अभिभावकों ने भाग लिया। समारोह में मार्च व अप्रैल माह तक हुए यूनिट टेस्ट के परिणामों सहित अन्य गतिविधियों से अभिभावकों को अवगत करवाया जाएगा। इस अवसर पर चैयरमेन डा. बीरसिंह यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में किसी प्रकार की कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी तथा शिक्षा विद्यार्थी को जीवन जीने के लिए नई दिशा प्रदान करती है। शिक्षा विद्यार्थी को न केवल शिक्षित बनाती है, बल्कि विद्यार्थी में संस्कृति एवं सभ्यता का ज्ञान भरकर उसे राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए प्रेरित करती है। सीईओ कर्मवीर राव ने कहा कि अभिभावक-शिक्षक सम्मेलन स्कूली शिक्षा में महत्वपूर्ण घटक है, क्योंकि अभिभावकों को शिक्षकों से जुड़ने और अपने बच्चे की शैक्षणिक प्रगति के बारे में चर्चा करने का अवसर मिलता है।

महेंद्रगढ़। अध्यापक-अभिभावक मिलन समारोह में विचार-विमर्श करते अभिभावक। फोटो: हरिभूमि

## विनोद भील ने छोड़ा कांग्रेस का हाथ, अजय चौटाला की मौजूदगी में जेजेपी का पहना पटका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी हलके से निर्दलीय चुनाव लड़ चुके एवं वरिष्ठ नेता विनोद भील ने कांग्रेस का हाथ छोड़ दिया है। उन्हें पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला व जेजेपी सुप्रीमो अजय चौटाला ने पार्टी में शामिल किया है तथा संगठन में पूरा मान सम्मान देने का आश्वासन दिया। पार्टी ज्वाइन करने के बाद नांगल चौधरी में पहुंचे विनोद भील का कार्यकर्ताओं ने अभिनंदन किया।

लीगल सेल के जिला प्रधान प्रमोद ताखर व पूर्व हलका प्रधान हजारीलाल लंबोरा ने बताया कि विनोद भील ने हमेंशा जनता के बीच रहकर सिद्यांतवादी राजनीति की है। भील ने 2000 में गोद गांव के सरपंच निर्वाचित हुए थे। इसके बाद 2006 में उन्होंने पेक्स के चेयरमैन का चुनाव जीता है। 2010 में वार्ड 20 से जिला पार्षद निर्वाचित हुए थे। इसके बाद 2016 में वार्ड 12 से पार्षद का चुनाव जीतकर रिकॉर्ड बनाया है। 2014 में बतौर निर्दलीय चुनाव लड़कर करीब 10 हजार वोट हासिल करके राजनीतिक ताकत का जलवा दिखाया था।

शनिवार को पार्टी ज्वाइन करने के बाद विनोद भील ने कहा कि चौ. देवीलाल ने गरीब मजदूर व किसानों के हित में अनेक काम किए थे। उन्हीं के सिद्यांतों का अनुसरण करते हुए पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला 36 बिरादरी की राजनीति को प्राथमिकता दे रहे हैं।

इस मौके पर जजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष अभिमन्यू राव, नपा पार्षद कंवर सिंह जाखड़, दीपक शेहरावत, देवा, लोकेश, मोनू कुमार, प्रवीण कुमार, निखिल, प्रीतम, पंकज कुमार, रोहित, कुलदीप आदि मौजूद थे।

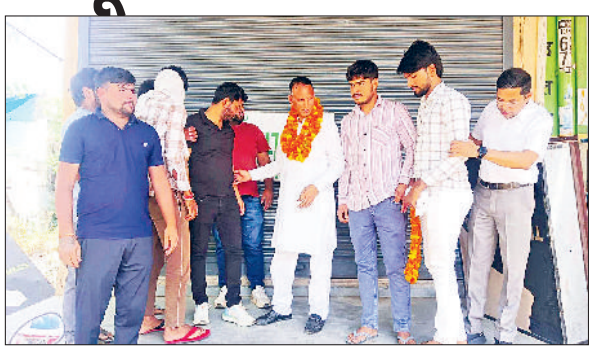

नांगल चौधरी। जजपा ज्वाइन करके हलके में पहुंचे विनोद भील का अभिनंदन करते कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

## गोवंश को खिलाया हरा चारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार निःस्वार्थ भावना से की गई गोमाता की सेवा का फल अति उत्तम माना गया है। जिससे हमारा स्वयं का व पूरे परिवार का कल्याण होता है। इसलिए हमें लाचार, बेसहारा गोमाता की सेवा निःस्वार्थ भावना से करनी चाहिए। ये बात बायल गांव स्थित गोशाला में युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उडान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा के सदस्य योगेश सैनी ने गो सवामणी कार्यक्रम के दौरान कही।

उन्होंने गोमाता के बारे बताते हुए कहा कि गोमाता का दूध अमृत समान होता है, क्योंकि नवजात शिशु को पैदा करने वाली मां का अमृतमय दूध दिया जाता है या गोमाता का। जिससे नवजात शिशु में नवऊर्जा का संचार होता है। गौशाला में आए गोभक्तों ने हरे चारे, तूड़ी, दलिया, गुड़ की सवामणी लगाई। इस मौके पर अर्पित, विवेक, रविन्द्र, गोलू आदि मौजूद रहे।

### दिव्यांग पहलवान राजवीर गुर्जर को किया सम्मानित

# बाघौत के राजवीर ने रामसेतु मार्ग को तैर कर किया पार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गत 18 अप्रैल को आयोजित पाक स्ट्रेट स्विमिंग प्रतियोगिता 2025 में गांव बाघोत निवासी दिव्यांग पहलवान राजवीर गुर्जर ने हिंद महासागर में तलाई मन्नार से धनुषकोडी तक रामसेतु मार्ग को तैरकर पार करके इतिहास रच दिया। उनकी इस उपलब्धि पर गांव बाघोत में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि समाजसेवी नेताजी अतरलाल एडवोकेट ने राजवीर गुर्जर को स्मृति चिह्न, प्रशस्ति पत्र व नगद इनाम भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने राजवीर के पिता जागेराम को साफा पहनाकर व माता रोशनी देवी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। समारोह की अध्यक्षता सूबेदार श्रीराम ने की। राजवीर ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच प्रशांत कर्माकर, अपने माता पिता तथा ग्राम वासियों को देते हुए युवाओं से लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत के साथ अभ्यास करने की अपील की। इस अवसर पर नेताजी अतरलाल ने कहा कि दिव्यांग राजवीर गुर्जर ने 30 किलोमीटर लंबे रामसेतु मार्ग को पार कर गांव बाघोत व जिला महेंद्रगढ़ बल्कि पूरे हरियाणा का नाम रोशन किया है। राजवीर की इस उपलब्धि पर पूरे इलाके को नाज है। उन्होंने राज्य सरकार से राजवीर को प्रथम या द्वितीय श्रेणी की सरकारी नौकरी देने तथा आगामी जून में आयोजित होने वाली इंग्लिश चैनल स्विमिंग प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आर्थिक सहायता देने की मांग की। उन्होंने कहा कि राजवीर गरीब किसान परिवार से है और आगामी जून में होने वाली इंग्लिश चैनल स्विमिंग प्रतियोगिता के लिए आठ दस लाख रुपये का खर्चा जिसको वहन करने में वह पूर्णतया असमर्थ है।

नारनौल। रामसेतु मार्ग को तैरकर पार करने वाले दिव्यांग पहलवान राजवीर गुर्जर को सम्मानित करते नेताजी अतरलाल एडवोकेट। फोटो: हरिभूमि

#### यह रहे उपस्थित

इस मौके पर बेड़ासिंह पूर्व सरपंच, श्रीराम साहब, जागेराम, थानेदार महावीर, सूबेदार लक्ष्मी नारायण, थानेदार सतबीर, भवानी फौजी, प्रकाश बादल, फौजी राकेश, हवलदार ओमप्रकाश, साधु पहलवान, राजवीर पहलवान, संजय, राजेश, सोमवीर पहलवान, उम्मेद पहलवान, सुंदर ठेकेदार, सोमजीत, शमशेर पहलवान, रामफल पंच, हनुमान, विक्रम पहलवान, सुर्जन गुर्जर, मांगेराम, रमेश, महावीर गुर्जर, कमल सिंह, सूबेदार गोविंद, रोशनी देवी, रेशमी देवी, संता देवी, चमेली देवी, विमला देवी, संतरा देवी, चावली देवी, राधा देवी सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित थे।

## खबर संक्षेप

### अमावस्या पर निकाली 119वीं प्रभात फेरी

**नारनौल।** राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को अमावस्या के पावन अवसर पर 119वीं प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। इस बार प्रभात फेरी का शुभारंभ भूप कॉलोनी सलामपुरा से हुआ। मुख्य यजमान महेश सैनी उर्फ बिल्लू सैनी ने परिवार सहित ठाकुर जी की विधिवत आरती कर प्रभात फेरी का श्रीगणेश किया। तत्पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं को चंदन तिलक कर पुण्य का अवसर प्रदान किया। सैकड़ों की संख्या में एकत्रित हुए बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं, युवा व धर्मप्रेमियों ने ढोल नगाड़ों की मधुर थाप पर नाचते गाते राधे राधे नाम का संकीर्तन करते हुए वातावरण को भक्ति रस में सराबोर कर दिया।

### पीएम का मन की बात कार्यक्रम कांटी में सुना

**मंडी अटेली।** पीएम नरेंद्र मोदी की मन की बात का 121वां एपिसोड का लाइव कार्यक्रम अटेली के भाजपा के मंडल अध्यक्ष मुकेश कुमार गनियार के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांटी में ध्यानपूर्वक सुना। मन की बात कार्यक्रम में शुरुआत में ही पीएम नरेंद्र मोदी ने पहलगाम हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुए इस हमले से मन में गहरी पीड़ा है। हमारे देश के लोगों में जो आक्रोश है। वो पूरी दुनिया में भी है। इस जघन्य तरीके से किए गए आतंकी हमले की सबने कड़ी निंदा की। पूरा विश्व आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में 140 करोड़ भारतीयों के साथ खड़ा है। पीएम मोदी ने कहा कि हमले के पीड़ितों को न्याय मिलेगा।

### विनय बने खटीक समाज समिति के नए प्रधान

**नारनौल।** रविवार को खटीक समाज सभा के चुनाव करवाए गए, जिसमें विनय कुमार को नया प्रधान चुन लिया गया। चुनाव अधिकारी नंदकिशोर तंवर की देखरेख में यह चुनाव संपन्न हुआ। खटीक समाज सभा समिति कार्यालय में रविवार प्रातः एक आमसभा का आयोजन किया गया जिसमें आपसी सहमति से विनय कुमार को प्रधान, राजेंद्र प्रसाद चौहान को उपप्रधान, दीपक को सचिव, अरुण कुमार को सहसचिव तथा रामसिंह को कोषाध्यक्ष चुन लिया गया।

### सेंट जॉन भवन में किया पौधारोपण

**नारनौल।** इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी हरियाणा राज्य शाखा के महासचिव महेश जोशी ने रविवार को लघु सचिवालय के नजदीक स्थित सेंट जॉन भवन के प्रांगण में पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस लगातार समाजसेवा में लगी हुई है और पौधा लगाना भी एक समाज सेवा है। महेश जोशी ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि अधिक से अधिक मात्रा में पौधारोपण करें।

*12 एक्सप्रेस और सुपरफास्ट का आवागमन, 10 का होता है साप्ताह में कुछ दिन संचालन*

# आठ दशक पुराने रेलवे स्टेशन पर चार एक्सप्रेस गाड़ियों का ही ठहराव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आठ दशक पुराने रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन चलने वाली चार गाड़ियों का दिन में संचालन होने से यात्रियों को रेलसेवा का कम लाभ मिल पा रहा है। यात्रियों द्वारा लंबे समय से इस रेलवे मार्ग पर दिन के समय लंबे रूट की गाड़ी का संचालन शुरू करने की मांग की जा रही है।

बता दें कि वर्ष 1936 में रेवाड़ी-बीकानेर रेलवे लाइन के सर्वे का काम शुरू हुआ था। एक साल बाद वर्ष 1937 में सर्वे का काम पूरा हुआ। वर्ष 1940 में रेवाड़ी से बीकानेर तक मीटर गेज लाइन बिछाई गई थी तथा वर्ष 1942 में दिल्ली से बीकानेर तक पहली मीटर गेज ट्रेन का संचालन किया गया था। वहीं वर्ष 2008 में मीटर से ब्राड गेज लाइन बिछाई गई थी। इसके बाद वर्ष 2020 में रेवाड़ी से सादलपुर तक इलेक्ट्रिक लाइन बिछाने का काम शुरू किया गया था तथा वर्ष 2021 में इलेक्ट्रिक लाइन पर ट्रायल किया गया था। महेंद्रगढ़ से रेलवे विभाग को प्रतिदिन एक लाख 35 हजार की आमदनी हो रही है। इतनी आमदनी देने के बाद भी रेलवे विभाग द्वारा महेंद्रगढ़ की अनेदखी की जा रहीं हैं। महेंदगढ़ रेलवे स्टेशन से 22 एक्सप्रेस और सुपरफास्ट गाड़ियां आवागमन करती है। इनमें से दो सुपरफास्ट तथा दो एक्सप्रेस गाड़ियों का महेंद्रगढ़ स्टेशन ठहराव नहीं होता।

| | |
|---|---|
| दिल्ली-जयपुर सैनिक एक्सप्रेस | 2.15 बजे रात |
| जयपुर- दिल्ली सैनिक एक्सप्रेस | 2.31 बजे रात |
| जोधपुर- दिल्ली एक्सप्रेस | 2.34 बजे रात |
| बीकानेर-दिल्ली एक्सप्रेस | 3.10 बजे रात्रि |
| श्रीगंगानगर-दिल्ली एक्सप्रेस | 4.10 बजे सुबह |
| भगत की कोठी-दिल्ली | 7.21 बजे शाम |
| **साप्तिहक चलने वाली गाड़ियां:** | |
| गाड़ी का नाम | महेंद्रगढ़ का समय |
| भगत की कोठी (केवल मंगलवार) | रात एक बजे |
| बीकानेर-हावड़ा सुपरफास्ट (केवल वीरवार) | सुबह 11 बजे |
| सीकर-दिल्ली एक्सप्रेस (केवल बुध व शुक्र) | शाम 5.51 बजे |
| दिल्ली सीकर एक्सप्रेस (केवल बुध व शुक्र) | सुबह 8.54 बजे |
| हावड़ा-बीकानेर(केवल मंगलवार) | दोपहर 12.20 बजे |

### इन गाड़ियों का होता है दिन के समय होता है संचालन

| गाड़ी का नाम | महेंद्रगढ़ का समय |
|---|---|
| बीकानेर-दिल्ली | दोपहर 2.20 बजे |
| सीकर-दिल्ली | शाम 5.51 बजे |
| दिल्ली-भगत की कोठी | सुबह 9.13 बजे |
| दिल्ली-बीकानेर | सुबह 10.40 बजे |

- वर्ष 1936 में रेवाड़ी-बीकानेर रेलवे लाईन के सर्वे का काम शुरू हुआ था
- 2020 में रेवाड़ी से सादलपुर तक इलेक्ट्रिक लाइन बिछाने का काम शुरू किया

### इन गाड़ियों का होता है प्रतिदिन रात के समय संचालन

| गाड़ी का नाम | महेंद्रगढ़ का समय |
|---|---|
| दिल्ली- जोधपुर एक्सप्रेस | 1.19 बजे रात |
| दिल्ली- बीकानेर एक्सप्रेस | 1.40 बजे रात |

*अवैध खनन : 300 वाहन चेक किए, 12.60 लाख का लगाया जुर्माना*

# अवैध खनन व खनिज के अवैध परिवहन को लेकर निरंतर चल रहा कठोर अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिला महेंद्रगढ़ में सरकार के निर्देश अनुसार प्रशासन ने अवैध खनन व खनिज के अवैध परिवहन को लेकर निरंतर कठोर अभियान चलाया हुआ है। पुलिस की सहायता से खनन विभाग व अन्य संबंधित विभागों की संयुक्त टीमें औचक निरीक्षण कर रही हैं। इसी अभियान में पिछले तीन दिनों में खनिज के अवैध परिवहन में चार वाहनों पर 12.60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। जिला खनन इंजीनियर डा. राजेश कुमार ने बताया कि पिछले तीन दिनों में टीम ने 300 वाहन चेक किए हैं। इस दौरान बजरी, रोड़ी व मिट्टी की अवैध खनन तथा अवैध तरीके से परिवहन करते पकड़े गए चार वाहनों पर 12.60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

उन्होंने बताया कि इससे पहले पकड़े गए दो वाहनों से 7.34 लाख रुपये जुर्माना वसूलकर सरकारी खजाने में जमा कराए। जिला खनन इंजीनियर ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के तहत खनन विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग खुद विभागीय गतिविधियों की निगरानी कर रहे हैं और आवश्यक दिशानिर्देश दे रहे हैं। उपायुक्त डा. विवेक भारती भी लगातार इस संबंध में बैठक ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार का मुख्य उद्देश्य खनन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना व अवैध खनन को समाप्त करना है। महानिदेशक के आदेशों के अनुसार विभागीय टीम पूरी सतर्कता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन कर रही है। कहीं भी नियमों का उल्लंघन होता है, तो खनन विभाग की टीम तुरंत आवश्यक कार्रवाई करेंगी। उन्होंने बताया कि खनन विभाग की टीम सभी मार्गों और रास्तों पर लगातार सक्रिय रूप से तैनात है। उन्होंने बताया कि जिले में जिन स्थानों पर अवैध खनन या खनिज के अवैध परिवहन की संभावना अधिक है, वहां पर निगरानी रखी जा रही है। विभिन्न इलाकों में अचानक निरीक्षण किए जा रहे हैं और दोषियों के कदम उठाए जा रहे हैं।

नारनौल। खनिज के अवैध परिवहन में पकड़े गए वाहन। फोटो : हरिभूमि

## अवैध खनन विभाग की सूचना लीक करने वाले पर केस दर्ज

**महेंद्रगढ़।** सदर थाना पुलिस ने खनन विभाग के सरकारी कार्य में बाधा डालने तथा गोपनीय सूचना व्हाट्सएप ग्रुपों में भेजने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने एक मोटरसाइकिल, एक मोबाइल फोन कब्जे में लेकर आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू दी है। पुलिस को दी शिकायत में खनन निरीक्षक मनीषा ने बताया कि वह 26 अप्रैल को सुबह करीब 5:45 बजे नरेश कुमार खनन रक्षक, त्रिलोक मुख्य सिपाही व ड्राइवर मंजीत के साथ अवैध खनन की चैकिंग के लिए नारनौल से महेंद्रगढ़ की तरफ आ रही थी। एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर उनकी गाड़ी का पीछा कर रहा था। हमें संदेह होने पर हमने उस मोटरसाइकिल के ड्राइवर को जोनावास पेट्रोल पंप के पास रूकवाने का इशारा किया। तब वह मोटरसाइकिल ड्राइवर अपनी मोटरसाइकिल को जोनावास मोड़ के पास खड़ी करके खेतों में भाग गया। भागते समय उसका मोबाइल फोन वहीं गिर गया। मुखबिर से पूछने पर पता चला कि उसे व्यक्ति का नाम गांव खेड़ी निवासी कृष्ण है। जिसका फोन में व्हाट्सएप चेक किया गया तो उसके एक ग्रुप जय बाबा भैरू चौमुखा की जय नाम से बना हुआ है। कृष्ण ने इस ग्रुप में हमारी गाड़ी का नंबर व रेड लाइट का सिंबल भेजा हुआ है। लगभग चार-पांच ग्रुप बनाए हुए हैं। वे सभी ग्रुप खनन विभाग व अन्य विभागों की लोकेशन पूछ रहे हैं। आरोपित ने हमारी गाड़ी की लोकेशन ग्रुपों में डालकर सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की है तथा अवैध खनन करने वालों को गोपनीय सूचना व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से भेजी है। जिससे सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की है।

- पुलिस ने मोबाइल व बाइक जब्त की
- मामला दर्ज कर जांच शुरू की

नारनौल। कार्यक्रम के दौरान समाज के नागरिक। फोटो : हरिभूमि

## वैश्य समाज की महिला प्रदेश अध्यक्ष का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अग्रवाल वैश्य समाज की ओर से अग्रवाल सभा में अग्रवाल वैश्य समाज की प्रदेश महिला अध्यक्ष सुशीला सर्राफ का स्वागत समारोह किया गया। इस अवसर पर अग्रवाल वैश्य समाज की प्रदेश महिला अध्यक्ष सुशीला सर्राफ को फूल माला व पटका पहनाकर स्वागत किया गया। अग्रवाल वैश्य समाज की प्रदेश अध्यक्ष सुशीला सर्राफ ने अपने संबोधन में कहा महिलाओं को सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। महिलाओं को घर तक सीमित नहीं होना चाहिए, क्योंकि आज महिलाएं हर क्षेत्र में उन्नति कर रही है।

उन्होंने कहा कि अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला ने पयुवाओं व महिलाओं को राजनीतिक तथा सामाजिक क्षेत्र में आगे लाने के लिए एक आंदोलन चलाए हुए हैं। अग्रवाल वैश्य समाज के जिला अध्यक्ष संदीप नूनीवाला ने अग्रवाल वैश्य समाज की प्रदेश अध्यक्ष सुशीला सर्राफ व उनके साथ आए उनके पति पवन सर्राफ को पटका पहनाकर स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि सुशीला सर्राफ फतेहाबाद से चलकर नारनौल महिलाओं को उत्साह व जागृति देने के लिए पहुंची है। अग्रवाल वैश्य समाज की जिला महिला अध्यक्ष पूनम गोयल ने भी प्रदेश अध्यक्ष का बुक्का देकर व पटका पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर रवि गर्ग, जगमोहन गर्ग, सीताराम सर्राफ, तुलसी गोयल, मोहित जिंदल, राजकुमार चौधरी एडवोकेट, जिला कोषाध्यक्ष संजय गोयल, उमेश मित्तल, पुरनचंद सिंघल, जिला युवा अध्यक्ष चिराग गर्ग, धर्मेंद्र सिंघल, कार्तिक अग्रवाल, निखिल जैन, संजय मित्तल, मधु गोयल, रचना अग्रवाल, नीता गुप्ता, जिला कोषाध्यक्ष रितु गोयल, सुनीता गोयल, नीरू गर्ग, रेनू गोयल, पूजा जैन, रेखा सिंघल आदि मौजूद थे।

## निःशुल्क चिकित्सा एवं जांच शिविर में 68 मरीजों ने उठाया लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

संवेदना अस्पताल के सौजन्य से वरिष्ठ नागरिक संगठन के किला रोड पर साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम स्थित में निःशुल्क चिकित्सा एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम सरस्वति मां व साध्वी बहन मिश्री देवी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके शिविर का कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। जांच शिविर कैम्प में जनरल फिजीशियन डा. सुरेन्द्र मित्तल के मार्गदर्शन में हड्डी जोड़ रोग विशेषज्ञ डा. अचल मित्तल ने लगभग 24 मरीजों की निःशुल्क जांच की और मरीजों को दवा भी निःशुल्क वितरित की। इसी प्रकार 36 आंखों के मरीजों की निःशुल्क जांच करके उनको आवश्यक परामर्श दिया गया और जिन मरीजों को दवा की जरूरत थी, उन्हें दवाएं संवेदना अस्पताल की ओर से मुफ्त दी गई। डा. सुरेन्द्र मित्तल द्वारा 39 मरीजों की जांच की गई और जिन मरीजों का ईसीजी आवश्यक था, उन मरीजों की निशुल्क ईसीजी की गई और आवश्यकतानुसार दवाएं निःशुल्क प्रदान की गई। डाक्टरों व उनकी टीम का स्वागत करते हुए संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा ने कहा कि डाक्टर भगवान का रूप होते हैं। इनका हमें पूर्ण मान–सम्मान करना चाहिए। महासचिव मुखराम सैनी ने मेडिकल टीम का उनके बेहतर कार्य के लिए प्रशंसा की।

नारनौल। चिकित्सा शिविर में जांच कराते वरिष्ठ नागरिक। फोटो : हरिभूमि

## फोन पर जानकार बन ठगी का आरोपी गिरफ्तार

- एटा क्षेत्र से गिरफ्तार किया कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जानकार बनकर पैसे ठगने के मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर थाना पुलिस ने एक आरोपित को एटा यूपी से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान रतनलाल वासी बिजोरी जिला एटा यूपी के रूप में हुई। साइबर ठगी के इस मामले में गिरफ्तार आरोपित का खाता प्रयोग हुआ था। पुलिस ने आरोपित को एटा यूपी क्षेत्र से गिरफ्तार किया और पूछताछ कर न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। साइबर ठगों ने कॉल पर खुद को शिकायतकर्ता का जानकार बताकर पैसे ट्रांसफर करा लिए थे। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए महत्वपूर्ण तकनीकी साक्ष्य जुटाकर संबंधित कंपनियों से पत्राचार कर साइबर ठगों का पता लगाया।

अटेली के गांव कांटी निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना में दी ठगी की शिकायत में बताया कि 21 अप्रैल को वह घर पर था कि उसके पास सुबह वाटसअप कॉल आई, जिसने जानकार बताते हुए कहा कि वह कनाड़ा से बोल रहा है, उसने बार बार कॉल करके शिकायतकर्ता को विश्वास में लेकर कहा कि थोड़े दिन बाद पांच मई को वह भारत वापस आ रहा है, उसके पास 16 लाख रुपये हैं, जो वह शिकायतकर्ता के बैंक खाता मे डाल देगा और भारत आने पर वापस ले लेगा। कॉलर ने शिकायतकर्ता के पास 1615000 रुपये ट्रांसफर करने बारे ट्रांसफर रशीद भेज दी। उसके थोड़ी देर बाद उसके पास एक काल आई। जिसने कहा कि वह एक्सिस बैंक हैड क्वाटर मुम्बई से बोल रहा है और कहा कि आपके बैंक खाता मे कनाड़ा से 1615000 रुपये आए हैं और कुछ पूछताछ कर कहा कि 24 घंटे बाद यह पैसा आपके बैंक खाता मे क्रेडिट हो जाएगा। जिसके बाद उस व्यक्ति की वाट्सअप कॉल आई और कहा कि भारत में उसके एक जानकार हरजीत सिंह की पत्नी बीमार है और हॉस्पिटल में एडमिट है, जिसको 11:30 बजे से पहले चार लाख रुपये अस्पताल में जमा करवाने हैं। फिर कुछ देर बाद अन्य नंबर से वाट्सअप काल आई, जिसने अपना नाम हरजीत सिंह बताया और कहा कि जितनी जल्दी हो सके उसके बैंक खाता मे रुपये जमा करवा दे। शिकायतकर्ता ने उनकी बातों में आकर कॉलर के बताए अनुसार बैंक खाता में चेक के माध्यम से चार लाख रुपये जमा करवा दिए। असके बाद साइबर ठगों ने इे लाख रुपये और भेजने को कहा, जिस पर शिकायतकर्ता को शक हुआ और साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करके शिकायत दर्ज करवा दी। साइबर थाना की टीम ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित।

## आतंकवादी हमले के विरुद्ध पीएम कठोर कदम उठाएंगे: भारती सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मन की बात कार्यक्रम में पहलगाम हमले का जिक्र किया और कहा कि इस हमले से उनके मन में गहरी पीड़ा है। वह देश की जनभावना के अनुरूप कोई कठोर निर्णय जरूर लेंगे और देशहित में काम करेंगे। यह उद्गार नगर परिषद की पूर्व चेयरपर्सन एवं भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष भारती सैनी ने अपने रेवाड़ी रोड कैलाश नगर स्थित आवास पर मन की बात कार्यक्रम देखने उपरांत प्रकट किए हैं। भारती सैनी के साथ उनके परिवारजनों एवं अन्य लोगों ने भी मन की बात कार्यक्रम टीवी पर देखा। भारती सैनी ने कहा कि इस जघन्य अपराध की उन्होंने कड़ी निंदा की है तथा इसे कायराना हमला बताया है। पीएम जरूर हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाने का काम करेंगे। भारती सैनी ने स्वयं भी माना कि जब धारा 370 हटाने के बाद कश्मीर में शांति लौट रही थी, स्कूल-कालेजों में चहल-पहल बढ़ने लगी थी, विकास कार्यों में अभूतपूर्व तेजी आने लगी थी और जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र मजबूत हो रहा थाऔर उन्होंने मानवता को शर्मसार करने वाली वारदात को अंजाम दिया। इससे सभी देशवासियों में दुख एवं क्रोध भरा हुआ है।

नारनौल। अपने घर कैलाश नगर में मन की बात कार्यक्रम देखते हुए।

*थनवास गांव से नशा भगाओ अभियान का शुभारंभ*

# नशा करने वालों को परिवार व समाज में नहीं मिलता सम्मान, कैंसर का बढ़ जाता है खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

थनवास गांव में राष्ट्रीय प्रजापति महासभा की जिला महेंद्रगढ़ इकाई की ओर से नशा मुक्ति अभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का निंदा प्रस्ताव पारित किया गया तथा दो मिनट मौन धारण करके मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। अभियान का शुभारंभ रामचंद्र प्रजापति ने किया। मंच का संचालन मास्टर नरेंद्र कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नशा कोई भी हो हमें इससे बचना चाहिए, साथ ही अपने आस पास भी इसके बारे में जागरूक करना नैतिक दायित्व है। नशा करने वाले व्यक्ति को परिवार व समाज में उतना सम्मान नहीं मिलता है, जितना मिलना चाहिए। इसके अलावा नशाखोरी से आंत, लीवर, गुर्दे तथा फेफड़ों में कैसर व टीबी रोग पनपने की संभावना बनी रहती है। शराब, धूम्रपान, जर्दा व अन्य नशा सबसे पहले शरीर को अंदर से खोखला करता है। समाजसेविका मोनिका वर्मा ने स्वास्थ्य संबंधी जानकारी में बताया कि हमें सुबह खाली पेट चाय नहीं पीना चाहिए, हो सके तो गुनगुना पानी ही पीएं तथा रोजाना सुबह 30 मिनट व्यायाम अवश्य करें। कोमल कुमारी व बलजीत ने कहा कि शिक्षा के प्रसार से ही समाज और राष्ट्र का विकास संभव हो पाएगा। कुमारी आरती ने पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया। इस मौके पर मास्टर सतीश कुमार, शिवम दीप, डीपी वर्मा, नत्थूराम, डेलीगेट कृष्ण कुमार, रामेश्वर ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में महासभा के महासचिव सुभाष चंद, राष्ट्रीय सचिव एवं जिला अध्यक्ष विजय सिंह प्रजापति, सांवल राम, दयाराम, बंसीलाल, हंसिका, हजारीलाल, हरिराम, राकेश कुमार, काजल, कमलेश देवी, मैदा देवी, कोयल, विशाखा देवी, बीना देवी, दिनेश, थावरमल, इंद्राज, बिल्लू, रामप्रताप, भगवान सहाय आदि मौजूद रहे।

नांगल चौधरी। थनवास में नशा भगाओ अभियान का शुभारंभ करता प्रजापति समाज। फोटो : हरिभूमि